अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों की वर्चुअल बैठक में संबोधन

- आज की इस वर्चुअल बैठक में आप सभी का स्वागत है। आपको स्मरण होगा कि गत 19 अप्रैल को कोविड महामारी में जनप्रतिनिधियों की भूमिका विषय पर मेरा आपसे online संवाद हुआ था।

- लोक सभा अध्यक्ष के रूप में मेरे दो वर्ष इस माह 19 जून को पूरे हुए हैं। इन दो वर्षों में लोक सभा में कई नई पहले की गयी हैं ताकि माननीय सदस्य सभा की कार्यवाही में और अधिक प्रभावी तरीके से भाग ले सकें तथा सदन में चर्चा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जा सके। मेरा निरंतर प्रयास रहा है कि माननीय सदस्यों को सदन में चर्चा के लिए अनुकूल वातावरण मिले।

- 17वीं लोक सभा के प्रथम 2 वर्षों में 5 सत्र हुए हैं। माननीय सदस्यों की सक्रिय सहभागिता से 17वीं लोक सभा के पहले 5 सत्रों के दौरान सभा की उत्पादकता 122 प्रतिशत से अधिक रही है।

- नियम 377 के अधीन उठाए जाने वाले मामलों के सम्बन्ध में नए परिवर्तन किये गए हैं। पह्ले लोक सभा में नियम 377 के अधीन उठाए जाने वाले मामलों में से मात्र 60 प्रतिशत का उत्तर दिया जाता था। परंतु माननीय सदस्यों को अब 90 प्रतिशत से अधिक मामलों के उत्तर आने लगे हैं। लोक सभा की निगरानी के कारण यह संभव हो पाया है।

- शून्य काल में बहुत सारे महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए जाते हैं। सरकार का भी इसको लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण रहा है। उसके कारण शून्य काल मे उठाए गए अधिकतम मुद्दों के जवाब माननीय सदस्यों तक पहुंचने लगे हैं जिससे उनके क्षेत्रों के उठाए गए विषयों के सकारात्मक परिणाम निकलने लगे हैं।

- संसद में हमने डिजिटल माध्यम को अपनाने की दिशा में बहुत प्रगति की है। जहां पहले 40 प्रतिशत प्रश्न ई-नोटिस के माध्यम से प्राप्त होते थे, अब 90 प्रतिशत से भी मामले ई-नोटिस के माध्यम से प्राप्त होने लगे हैं। आशा है कि हम शीघ्र ही शत प्रतिशत नोटिस ई-माध्यम से प्राप्त करने का लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे।

- यह हर्ष का विषय है कि सभी राज्यों की विधान सभाओं और विधान परिषदों में कार्यवाहियों का अब सोशल मीडिया या अन्य माध्यम से सीधा प्रसारण होने लगा है। इसके लिए मैं आप सबको बधाई देता हूं।

- हमारा यह भी प्रयास होना चाहिए कि जो माननीय सदस्य सदन में बोलते हैं, उनकी वीडियो क्लिपिंग्स सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल प्लेटफार्म पर साझा किया जाए ताकि वे अपने द्वारा उठाए गए मुद्दों के बारे में अपने क्षेत्र की जनता को बता सकें।

- मित्रो, कोविड-19 के दौरान सत्रों का संचालन हम सब के लिए एक बड़ी चुनौती रहा है। इस लोक सभा का चौथा और पाँचवां सत्र कोविड महामारी की स्थिति के बीच आयोजित किया गया था। माननीय सदस्यों के सहयोग तथा प्रतिबद्धता के कारण सदन की उत्पादकता इन सत्रों में भी 167 प्रतिशत एवं 114 प्रतिशत रही।

- कोविड महामारी की दूसरी वेव बहुत तेज़ थी जिसके कारण देश के लिए बड़ी चुनौतीपूर्ण स्थिति रही। इस वेव में हमारे कई साथी भी हमारे बीच नहीं रहे। इस अवसर हम अपने दिवंगत साथियों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करते हैं। जनप्रतिनिधि होने के नाते हमारा दायित्व है कि हम जनता के साथ उनके दुःख, उनकी पीड़ा में उनके सहभागी बने और उनके दुःख को काम करने का प्रयास करें।

- मेरे आग्रह पर आपने अपने अपने विधान सभाओं में कोविड कण्ट्रोल रूम की स्थापना की जिसके सकारात्मक परिणाम मिले हैं। इसके लिए मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूँ।

- एक नयी पहल करते हुए 17वीं लोकसभा के दौरान संसद तथा स्थानीय स्तर पर कार्य कर रही लोकतान्त्रिक संस्थाओं के बीच संवाद कायम किया गया है। इसके अंतर्गत इस वर्ष पंचायती राज संस्थाओं के साथ देहरादून और शिलांग (मेघालय) में स्थानीय लोकतान्त्रिक संस्थाओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किये गए हैं। इन कार्यक्रमों में भागीदारी में स्थानीय लोकतान्त्रिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अत्यधिक उत्साह दिखाया है। हम भारत के सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों में ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहते हैं।

- आपको स्मरण होगा कि केवड़िया, गुजरात में पीठासीन अधिकारियों का 80वां सम्मेलन पिछले वर्ष आयोजित किया गया था। इससे पूर्व दिसम्बर, 2019 मे देहरादून मे 79वां सम्मेलन हुआ था। देहरादून और केवड़िया के बाद हमारी वर्चुअल बैठक हुई परंतु हमारी फिजिकल बैठक नहीं हो पाई।

- मैं सबसे पहले उन माननीय अध्यक्षों को बधाई देना चाहूंगा जिनका केवड़िया में आयोजित सम्मेलन के बाद निर्वाचन हुआ है। पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के सदस्य के रूप में उनका स्वागत है।

- पिछले सम्मेलनों में विभिन्न विषयों पर पीठासीन अधिकारियों द्वारा कुछ निर्णय लिए गए थे और उनके व्यापक परीक्षण के लिए समितियों का गठन किया गया था। इन समितियों की रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

- कोविड संक्रमण की रफ़्तार कम होने के बाद 15 अगस्त के बाद एक तीन दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा जहां इन समितियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। इस बैठक के आयोजन के लिए मैं आपके सुझाव आमंत्रित करता हूँ।

- कल 21 जून को पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। आपने अपने राज्यों में योग को बढ़ावा देने तथा इसके बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कार्य किये हैं। मैं इस अवसर पर आप सबको शुभकामनाएं तथा बधाई देता हूँ।

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से ही केंद्र सरकार ने 18 वर्ष से ऊपर के सभी व्यक्तियों के लिए देश भर में निःशुल्क टीकाकरण कार्यक्रम आरम्भ किया है। कल पहले दिन ही इस कार्यक्रम के अंतर्गत 85 लाख टीके लगाए गए हैं।

- आपसे आग्रह है कि आप अपने राज्यों में सभी लोकतान्त्रिक संस्थाओं जैसे विधान सभा, विधान परिषद्, पंचायत, नगरपालिका इत्यादि के सदस्यों को प्रेरित करें कि वो समाज में जनजागरण अभियान के माध्यम से कोविड के विषय में जागरूकता फैलाएं और लोगों को टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित करें ताकि देश के सभी नागरिकों को कोविड के विरुद्ध सुरक्षा कवच मिल सके।

- वैक्सीन के बारे में जनता में जो भी भ्रांतियां या भ्रम हैं, उन्हें दूर करने के लिए जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को निरंतर प्रयास करना चाहिए।

- मेरा विचार है कि आज की चर्चा एवं संवाद के बाद इस बैठक से जो विचार आएंगे उनके आधार पर हम आगे की कार्य योजना बना पाएंगे। मेरा आग्रह है कि आप अगली फिजिकल बैठक के बारे में अपने सुझाव मेरे साथ साझा करें। धन्यवाद।